

तमलिनाडु में वकिंद्रीकृत औद्योगीकरण

प्रलिमिंस के लयि:

[सकल मूल्यवरद्धन \(GVA\)](#), वकिंद्रीकृत औद्योगीकरण मॉडल, क्लस्टर वकिस, [उत्पादन आधारति प्रोतसाहन](#), [सेवा कषेत्र](#)

मेन्स के लयि:

औद्योगिक वकिस में पूंजीपतयिों के समूह की भूमिका, भारत का औद्योगिक कषेत्र, औद्योगिक कषेत्र के वकिस हेतु सरकारी पहल

[स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यो?

तमलिनाडु का आर्थिक परदृश्य एक महत्त्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जो अपनी कृषि बुनियादों से आगे बढ़कर **एकविधि और औद्योगिक अर्थव्यवस्था को अपना रहा है**।

- यह बदलाव मुख्य रूप से **पूंजीपतयिों के समूह और 'छोटे उद्यमयिों ('Entrepreneurs from Below') के उद्भव के लयि ज़मिमेदार है**, जो वभिन्न औद्योगिक कषेत्रों में वकिस को गता दे रहे हैं।

तमलिनाडु की अर्थव्यवस्था कतिनी वविधि और औद्योगीकृत है?

- हालाँकि गुजरात के GVA (15.9%) और कार्यबल (41.8%) में कृषि की हसिसेदारी तमलिनाडु के 12.6% और 28.9% की तुलना में अधिक है।
- राष्ट्रीय औसत की तुलना में तमलिनाडु के कृषि कषेत्र का [सकल मूल्यवरद्धन \(GVA\)](#) और **नयिोजति श्रम बल (28.9%) में न्यूनतम भाग (12.6%) है**।
- अखलि भारतीय आँकड़ों की तुलना में राज्य की अर्थव्यवस्था में **उद्योग, सेवाओं और नरिमाण की हसिसेदारी अधिक है**।
- तमलिनाडु की कृषि अपने आप में वविधितापूर्ण है, [पशुधन उपकषेत्र](#) कृषि GVA में **45.3%** का महत्त्वपूर्ण योगदान देता है, जो सभी राज्यों की तुलना में सबसे अधिक है।
- राज्य ने वस्त्र, इंजीनयिरगि, चमड़ा, खाद्य प्रसंस्करण इत्यादि जैसे वभिन्न कषेत्रों में कई उद्योग क्लस्टर वकिसति कयि हैं।
- गुजरात तमलिनाडु की तुलना में अधिक औद्योगीकृत है**, जहाँ कारखाना कषेत्र (Factory Sector) राज्य के GVA का 43.4% उत्पन्न करता है और अपने कार्यबल का 24.6% संलग्न करता है, जबकि तमलिनाडु का क्रमशः 22.7% और 17.9% है।
- यह गुजरात की अर्थव्यवस्था को तमलिनाडु की तुलना में कम वविधि और संतुलति बनाता है**।

SECTOR-WISE SHARES OF GVA & WORKFORCE: 2022-23 (%)

	Gross Value Added*		Workforce	
	All-India	Tamil Nadu	All-India	Tamil Nadu
Agriculture	18.19	12.55	45.76	28.87
Industry**	18.80	22.69	12.27	17.88
Construction	8.84	11.70	13.03	18.04
Services	54.18	53.05	28.94	35.21

*At Basic Prices; ** Includes manufacturing, mining, electricity and utilities. GVA is GDP net of product taxes and subsidies. Source: National Accounts Statistics and Periodic Labour Force Survey.

Sector-wise shares of GVA and workforce for the year 2022-23

तमलिनाडु के आर्थिक परिवर्तन को कनि कारकों ने प्रेरित किया है?

- **वर्केंद्रीकृत औद्योगीकरण:**
 - तमलिनाडु में केवल कुछ प्रमुख व्यावसायिक संस्थाएँ हैं जिनका वार्षिक राजस्व 15,000 करोड़ रुपए से अधिक है।
 - हालाँकि तमलिनाडु के आर्थिक परिवर्तन को मध्यम स्तर के व्यवसायों द्वारा संचालित किया गया है, जिनका टर्नओवर 100 करोड़ रुपए से 5,000 करोड़ रुपए तक है, जिनमें से कुछ 5,000-10,000 करोड़ रुपए के स्तर तक पहुँच गए हैं।
 - औद्योगीकरण को वर्केंद्रीकृत किया गया है और समूहों के विकास के माध्यम से फैलाया गया है।
 - इस वर्केंद्रीकृत दृष्टिकोण ने अधिक विविध और संतुलित आर्थिक परिदृश्य को संभव बनाया है।
- **क्लस्टर-आधारित विकास:**
 - क्लस्टर विकास आर्थिक विकास का एक रूप है जिसमें व्यवसायों को एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में रखना शामिल है।
 - इसका लक्ष्य उत्पादकता बढ़ाना और क्षेत्रीय दक्षता को अधिकतम करना है।
 - तमलिनाडु में सफल क्लस्टर के उदाहरण:
 - तिरुपुर: कपास से बुना हुआ कपड़ा (800,000 लोगों को रोज़गार);
 - कोयंबटूर: कताई मॉलें और इंजीनियरिंग सामान;
 - शविकाशी: सुरक्षित माचिस, पटाखे, और छपाई;
 - इन समूहों ने न केवल रोज़गार के अवसर उत्पन्न किये हैं बल्कि उद्यमिता और नवाचार की संस्कृति को भी बढ़ावा दिया है, जिससे राज्य के समग्र आर्थिक विकास में योगदान मिला है।
- **कृषि से परे विविधीकरण:**
 - क्लस्टर शहरों में रोज़गार के सृजन ने तमलिनाडु के कार्यबल की खेती पर निर्भरता कम कर दी है, जिससे कृषि से परे विविधीकरण हुआ है।
 - इस परिवर्तन ने वैकल्पिक रोज़गार विकल्प प्रदान करके राज्य के आर्थिक आधार का विस्तार किया है।
- **ज़मीनी स्तर पर उद्यमिता:**
 - अधिक सामान्य किसान वर्ग और प्रांतीय व्यापारिक जातियों के उद्यमियों ने राज्य के आर्थिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
 - इन उद्यमियों ने विभिन्न क्षेत्रों में व्यवसायों का निर्माण और विस्तार किया है, जिससे तमलिनाडु के समग्र औद्योगीकरण और आर्थिक विकास में योगदान मिला है।
 - विविध सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से कृषि से परे औद्योगीकरण एवं विविधीकरण प्राप्त करने में सफल रहा है।
- **सामाजिक प्रगति सूचकांक:**
 - सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा शक्ति में नविश के परिणामस्वरूप उच्च सामाजिक प्रगति सूचकांकों ने संभवतः कृषि से परे औद्योगीकरण एवं विविधीकरण प्राप्त करने में तमलिनाडु की सापेक्ष सफलता में योगदान दिया है।
 - सामाजिक विकास पर राज्य के आर्थिक विकास के साथ-साथ परिवर्तन हेतु अनुकूल वातावरण निर्मित किया है, जिससे जीवन स्तर एवं आर्थिक अवसरों में सुधार हुआ है।

वर्केंद्रीकृत औद्योगीकरण मॉडल क्या है?

- **परिचय:**
 - वर्केंद्रीकरण में समाज में विभिन्न राजनीतिक तथा आर्थिक एजेंटों के मध्य शक्तियों एवं कार्यों का व्यवस्थित वितरण शामिल होता

है।

- उत्पादन के साधनों के स्वामित्व के साथ-साथ स्थान, संगठन एवं नरिणय लेने का वकिंदरीकरण सभी इसके राजनीतिक तथा आर्थिक पहलुओं में शामिल हैं।

■ प्रमुख विशेषताएँ:

- ग्रामीण एवं उप-शहरी क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों का वसितार करना साथ ही शहरी केंद्रों पर नरिभरता कम करना शामिल है।
- स्थानीय उद्यमिता एवं आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देने हेतु स्थानीय समुदायों के स्वामित्व वाले छोटे एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना।
- रोजगार के अवसर सृजति करने के साथ ग्रामीण क्षेत्र की गरीबी को कम करने हेतु श्रम-केंद्रित उत्पादन विधियों पर ज़ोर दिया गया।
- स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने तथा सतत विकास को बढ़ावा देने के लिये स्थानीय संसाधनों एवं कौशल का उपयोग।
- वभिन्न ग्राम उद्योगों के बीच परस्पर नरिभरता एक आत्मनरिभर आर्थिक पारस्थितिकी तंत्र का नरिमाण करती है।
- उत्पादन इकाइयों की वकिंदरीकृत व्यवस्था के माध्यम से उत्पादन एवं वतिरण को समान बनाना।

■ लाभ:

- संतुलित क्षेत्रीय विकास को सुगम बनाता है और स्थानिक असमानताओं को कम करता है।
- ग्रामीण समुदायों को आर्थिक अवसर प्रदान करके समावेशी विकास को बढ़ावा देता है।
- वभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों में विविधता लाकर आर्थिक प्रभाव के प्रतिलिचौलापन बढ़ाता है।
- विकास प्रक्रिया में सामुदायिक भागीदारी एवं स्वामित्व को बढ़ावा देता है।
- स्थानीय संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग करने के साथ पर्यावरणीय प्रभावों को कम करके सतत विकास का समर्थन करता है।

■ चुनौतियाँ:

- सीमति तकनीकी क्षमता अधिक अक्षमता का कारण बन सकती है।
- वकिंदरीकृत मॉडल से, विशेषकर खरीद में पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं के हानिके कारण लागत में वृद्धि हो सकती है।
- वकिंदरीकृत मॉडल में कुशल श्रम सभी क्षेत्रों में समान रूप से उपलब्ध नहीं हो सकता है और साथ ही इसके परिणामस्वरूप कुछ स्थानों पर कौशल अंतराल हो सकता है।

गांधीजी की वकिंदरीकरण की अवधारणा:

- गांधी ने समतावादी ढाँचे पर आधारित एक सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था की कल्पना की, जिसमें नरिणय लेने और उत्पादन के साधनों के स्वामित्व में वकिंदरीकरण पर बल दिया गया।
- उन्होंने खादी और ग्रामोद्योग जैसी लघु-स्तरिय, श्रम-गहन उत्पादन इकाइयों के माध्यम से ग्रामीण औद्योगिकरण को बढ़ावा देने, ग्रामीण स्तर की आत्मनरिभरता और सशक्तीकरण की वकालत की।

भारत में औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिये पहल

- [उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन \(PLI\)](#)
- [पीएम गति शक्ति- राष्ट्रीय मास्टर प्लान](#)
- [भारतमाला परियोजना](#)
- [स्टार्ट-अप इंडिया](#)
- [मेक इन इंडिया 2.0](#)
- [आत्मनरिभर भारत अभियान](#)
- [वशिष आर्थिक क्षेत्र](#)

???????? ???? ???? ???? ????:

प्रश्न. आर्थिक विविधीकरण और क्षेत्रीय दक्षता में वकिंदरीकृत औद्योगिकरण और क्लस्टर-आधारित विकास के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

????????????????:

प्रश्न: 'आठ कोर उद्योग सूचकांक' में नमिनलखिति में से कसिको सर्वाधिक महत्त्व दिया गया है? (2015)

- कोयला उत्पादन
- वदियुत उत्पादन
- उर्वरक उत्पादन
- इस्पात उत्पादन

उत्तर: b

?????

प्रश्न.1 "सुधार के बाद की अवधि में औद्योगिक विकास दर सकल-घरेलू-उत्पाद (जीडीपी) की समग्र वृद्धि से पीछे रह गई है" कारण बताइये। औद्योगिक नीति में हालिया बदलाव औद्योगिक विकास दर को बढ़ाने में कहाँ तक सक्षम हैं? (2017)

प्रश्न.2 आमतौर पर देश कृषि से उद्योग और फिर बाद में सेवाओं की ओर स्थानांतरित हो जाते हैं, लेकिन भारत सीधे कृषि से सेवाओं की ओर स्थानांतरित हो गया। देश में उद्योग की तुलना में सेवाओं की भारी वृद्धि के क्या कारण हैं? क्या मज़बूत औद्योगिक आधार के बिना भारत एक विकसित देश बन सकता है? (2014)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/decentralised-industrialisation-in-tamil-nadu>

